भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 1106

सोमवार, 26 जुलाई, 2021/4 श्रावण, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

हरित पर्यटन

1106. डॉ. रमापति राम त्रिपाठी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश में ''हरित पर्यटन'' (पर्यावरण अनुकूल पर्यटन) को बढ़ावा देती है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने देश में ''हरित पर्यटन'' को बढ़ावा देने हेतु कोई तंत्र विकसित करने के लिए अन्य देशों के साथ ''समझौता ज्ञापन'' और प्रौद्योगिकीय समझौता'' किया है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड.) गत तीन वर्षों के दौरान इस उद्देश्य हेतु किए गए कुल बजटीय आवंटन का राज्य-वार/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार द्वारा देश में ''हरित पर्यटन'' को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): जी, हां। पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से देश में हरित पर्यटन (पर्यावरण अनुकूल पर्यटन) को बढ़ावा देता है।

(ख) और (च): पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करता है। देश में हरित पर्यटन के विकास की क्षमता को स्वीकार करते हुए पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत 15 विषयगत परिपथों में से "इको परिपथ", "वन्यजीव परिपथ" और "हिमालयन परिपथ" की पहचान की है।

उपरोक्त के अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने देश में पारिस्थितिक पर्यटन और साहसिक पर्यटन पर ध्यान केंद्रित करते हुए सतत पर्यटन के लिए राष्ट्रीय रणनीति और रूपरेखा का मसौदा भी तैयार किया है। दस्तावेज़ को अधिक व्यापक बनाने के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने राष्ट्रीय

रणनीति और रूपरेखा के मसौदे पर सभी केंद्रीय मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों और उद्योग हितधारकों से प्रतिक्रिया/टिप्पणियां/सुझाव आमंत्रित किए हैं।

(ग) और (घ) भारत सरकार ने देश में "हरित पर्यटन" को विकसित करने और इसके संवर्धन के लिए अन्य देशों के साथ "समझौता ज्ञापन" और "तकनीकी समझौता" नहीं किया है। तथापि, भारत ने हरित पर्यटन के संवर्धन के लिए उपायो हेतु ब्रिक्स गठबंधन का प्रस्ताव दिया जो एक अधिक लचीला, टिकाऊ और समावेशी पर्यटन क्षेत्र को आकार दे सकते हैं, जिसे 13 जुलाई, 2021 को आयोजित ब्रिक्स पर्यटन मंत्रियों की बैठक में स्वीकार किया गया था।

(ड़): हरित पर्यटन के संवर्धन के लिए कोई समर्पित बजट आवंटित नहीं है। हालांकि, देश में स्वदेश दर्शन योजना के इको परिपथ, वन्यजीव परिपथ और हिमालयन परिपथ विषयों के तहत स्वीकृत परियोजनाओं के विवरण अनुबंध में दिए गए है।

****

अनुबंध

हरित पर्यटन के संबंध में दिनांक 26.07.2021 को लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 1106 के भाग (ड) के उत्तर में **विवरण।**

इको परिपथ, वन्यजीव परिपथ और हिमालयन परिपथ विषयों पर पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के तहत विकास के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(करोड़ रुपये में)

राज्य/स्वीकृति का वर्ष	**विवरण**	**स्वीकृत धनराशि**
इको परिपथ		
उत्तराखंड (2015-16)	टिहरी झील के आसपास टिहरी-चंबा-सरैण परिपथ का विकास।	69.17
तेलंगाना (2015-16)	महबूबनगर जिले में एक परिपथ का विकास (सोमशिला, सिंहोत्तम, कदलीवनम, अक्कमहादेवी, एग्लमफांटा, फरहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेलातीर्थम)	91.62
केरल (2015-16)	पथानामथिट्टा - गावी- वागामोन-थेक्कडी का विकास।	76.55
मिजोरम (2016-17)	आइजोल-रॉपुइचिप-खावफावप-लेंगपुई- डर्टलांग चटलांग-साकवरहमुइतुएटलांग-मुथी-बेरातलांग-तुइरियल एयरफील्ड-हमुइफांग में इको-साहसिक परिपथ का विकास।	66.37
मध्य प्रदेश (2017-18)	गांधीसागर बांध - मण्डलेश्वर बांध - ओमकारेश्वर बांध - इंदिरा सागर बांध - तवा बांध -बरगी बांध - भेड़ा घाट- बाणसागर बांध - केन नदी का विकास।	94.61
झारखंड (2018-19)	डालमा- चांडिल- गेतलसुद- बेतला नेशनल पार्क- मिर्चैया - नेटरहाट का विकास।	52.72
वन्यजीव परिपथ		
मध्य प्रदेश (2015-16)	पन्ना- मुकुंदपुर- संजय- डुबरी- बांधवगढ़- कान्हा- मुक्की- पेंच परिपथ का विकास ।	92.22
असम (2015-16)	मानस - पोबितोरा – नामेरी - काजीरंगा - डिब्रू - सैखोवा का विकास ।	94.68
हिमालय परिपथ		
जम्मू और कश्मीर	इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ जम्मू- श्रीनगर-पहलगाम- भगवती नगर- अनंतनाग- सलामाबद उड़ी- कारगिल- लेह का एकीकृत	77.33

(2016-17)	विकास।।	
जम्मू और कश्मीर (2016-17)	जम्मू-राजौरी-शोपियां-पुलवामा में पर्यटक सुविधाओं का एकीकृत विकास।	84.46
जम्मू और कश्मीर (2016-17)	**पर्यटन सुविधाओं का एकीकृत विकास – प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत** 2014 **में बाढ़ में नष्ट हुए लोगों के बदले संपत्ति का निर्माण** ।	90.43
जम्मू और कश्मीर (2016-17)	**मंतलाई और सुधामहादेव में पर्यटक सुविधाओं का एकीकृत विकास** ।	90.85
जम्मू और कश्मीर (2016-17)	**अनंतनाग-किश्तवाड़ -पहलगाम-दक्सुम-रंजीत सागर बांध में पर्यटक सुविधाओं का एकीकृत विकास** ।	87.44
जम्मू और कश्मीर (2016-17)	गुलमर्ग- बारामूला- कुपवाड़ा- कारगिल- लेह में पर्यटक सुविधाओं का विकास ।	91.84
हिमाचल प्रदेश (2016-17)	कियारीघाट – शिमला- हाटकोटी- मनाली- कांगड़ा- धर्मशाला- बीड-पालमपुर- चंबा में हिमालयी परिपथ का एकीकृत विकास ।	80.69

*****